AMAR UJALA MY CITY Page 2

एलयू ने कोरोना जांच में अपनी लैब के प्रयोग का दिया प्रस्ताव

लखनऊ। लखनऊ विवि कोरोना संक्रमण की जांच में सरकार का सहयोग करने के लिए आगे आया है। लविवि के अनुसार टेस्ट किट मिलने पर विवि की लैब में इसका टेस्ट किया जाए। विवि ने इसकी सूचना प्रशासन को भेज दी है। विवि में इस समय विज्ञान संकाय के विभागों में उन्नत प्रयोगशालाएं हैं। इनका प्रयोग कोरोना टेस्ट करने के लिए किया जा सकता है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार विवि अपनी जूलॉजी लैब का इसमें प्रयोग कर सकता है। इसके लिए प्रशासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। टेस्ट के काम में हमारे शिक्षक और विद्यार्थी भी सहयोग करेंगे। कम्युनिटी किचन के साथ ही दी जा रही मनोवैज्ञानिक सलाह : लखनऊ विवि अपने सामाजिक सरोकारों के तहत कोरोना महामारी के समय और भी काम कर रहा है। इसके तहत लविवि हर दिन अपने कम्युनिटी किचन के माध्यम से 1400 लोगों को भोजन उपलब्ध कराता है। विवि ने लॉकडाउन की वजह से घरों में कैद युवाओं को अवसाद से बचाने के लिये ऑनलाइन काउंसिलिंग सेवा की शुरुआत भी की है। मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से यह काम किया जा रहा है।

हम सहयोग के लिए तैयार

महामहिम राज्यपाल की मंशा है कि विश्वविद्यालय शिक्षण के साथ ही अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं और समाज से सीधे तौर पर जुड़ें। इसी कड़ी में ये काम किए जा रहे हैं। हम किट मिलने पर कोरोना का टेस्ट करने में सहयोग करने को भी तैयार हैं।– **प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लविवि

DAINIK JAGARN Page 4

कोविड-19 पर पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कोविड-19 कोरोना संक्रमण के पाठ्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। विवि अपने यहां एमएससी क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री और फिजियोलॉजी में इसे एक यूनिट के रूप में शामिल करने जा रहा है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस वैश्विक महामारी के खिलाफ लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है। इसको देखते लखनऊ विवि ने अपने पाठ्यक्रम में परास्नातक स्तर पर इसे शामिल करने का फैसला किया है।

संबंधित विभागों को इसका पाठ्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। विवि के नियमों के अनुसार सबसे पहले इसका पाठ्यक्रम बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास कराया जाएगा। इसके बाद इसे फैकल्टी बोर्ड की मंजूरी के लिए रखा जाएगा। फैकल्टी बोर्ड के बाद एकेडमिक काउंसिल और कार्य परिषद की मंजूरी के बाद पाठ्यक्रम पूरी तरह से लागू हो जाएगा।

कोविड-19 को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेगा लखनऊ विवि

जासं, लखनऊ : देश दुनिया की कमर तोड़ चुकी वैश्विक महामारी कोविड-19 को अब शिक्षण संस्थानों ने अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। शुरुआत लविवि ने की है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस दिशा में विभागों को सार्थक दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। कोरोना संक्रमण से भारत भी अछूता नहीं रहा है।

इस वैश्विक महामारी ने प्रदेश को भी अपने चपेट में ले लिया है। इसकी गंभीरता, संभावनाओं व परिणामों को देखते हुए लविवि ने भी कदम उठाने का मन बनाया, विद्यार्थियों को इस गंभीर बीमारी के प्रति पढ़ाई के दौरान ही जानकारी मिल सके। प्रो. राय बताते हैं कि एमएससी बायोकेमिस्ट्री के प्रथम सेमेस्टर में क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री एंड फिजियोलॉजी के तहत कोविड-19 के बारे में पढ़ाया जाएगा। ग्लोबल व स्थानीय बीमारियों पर ही अध्ययन किया जाता है। छात्र वैश्विक बीमारी कोविड-19 के बारे में भी जान सकें, इस कारण इसे कोर्स में शामिल किया जा रहा है। प्रो. राय ने बताया कि चूंकि विवि की एकेडमिक काउंसिल की बैठक अभी होनी है, ऐसे में सीबीसीएस के तहत इसे कोर्स में शामिल किया जाएगा। लविवि के न्यू कैंपस स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ के पाठ्यक्रम में भी कोविड-19 को शामिल किया जाएगा।

i-Next Page 5

यूनिवर्सिटी पर बढ़ गया है बोझ

एलयू को पहले ग्रेजुएशन थर्ड ईयर की परीक्षा दोबारा शुरू करानी होगी क्योंकि इन स्टूडेंट्स ने आगे के एडमिशन के लिए आवेदन किया है. इन्हें पीजी कोर्सेस में एडमिशन के लिए एलयू सहित देश के दूसरी यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम भी देने होंगे, जो जून में होने हैं. इसके बाद एलयू को जून से यूजी और पीजी के इवेन सेमेस्टर के एग्जाम कराने होंगे. इसके लिए एलयू को कम से कम 50 कॉलेजों को केंद्र बनाने के साथ सैकड़ों शिक्षकों की ड्यूटी लगानी होगी. जून में एलयू का एंट्रेंस एग्जाम होगा.

TOI Page 2

2 LU depts include corona pandemic in curriculum

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Two departments of Lucknow University have introduced Covid-19 in their syllabus to promote research on the subject to find answers to questions baffling experts and ways to tackle social and economic impact of the pandemic.

It will be included as a unit in 'clinical biochemistry and physiology' paper in MSc (biochemistry) semester and as a unit in the masters course run by the Institute of Public Health.

LU vice-chancellor Prof AK Rai said, "The courses will be started from next session starting July. LU is first state university to include Covid-19 pandemic in its curriculum."

"In MSc (biochemistry), teaching will include four aspects of Covid-19 – physiology, transmission, precautionary measures and ways to curb it, while in the Institute of Public Health, social and economic impact of the pandemic will be taught," he said, adding that he introduced the courses using special powers granted to a VC.

"We are also planning an online PG diploma course in epidemiology and biostatistics in which Covid-19 will be taught," he added.

LU, DDU joint study hints at new cure line

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: A joint research by teachers of Lucknow University and Deen Dayal Upadhyay, Gorakhpur University, using a special drug designing software, claims that compounds in 'harsingar', aloe vera and 'giloi' plants might check novel coronavirus infection.

"We found that certain compounds in 'harsingar', aloe vera and 'giloi' plants can bind with novel coronavirus protease (an enzyme) and make them inactive or lower its impact," said Prof Ambrish Kumar Srivastava, DDU, who along with Prof Neeraj Misra, LU, and his assistant Dr Abhishek conducted research through molecular docking on an advanced computer-assisted drug designing tool.

The discovery is a clue that scientists can develop a drug, said the team which has uploaded research paper in an open access repository and sent it to a leading international journals for publication.

Prof Misra said, "Harsingar has nictoflorin, aloe vera has aloenin and 'giloi' has aloesin and berberine. Binding affinity of these compounds was found to be more than hydroxychloroquine, an antimalarial drug which in lab test was found to be effective for novel coronavirus, but not cleared clinical tests yet."